



::आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
 रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / काइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/22/BVR/2017	AC/JND/05/2016	30.12.2016

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-069-2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order:	11.12.2017	जारी करने की तारीख / Date of issue:	14.12.2017
------------------------------------	-------------------	----------------------------------------	-------------------

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग) उपर आयुक्त/संयुक्त आयुक्त/उप-आयुक्त/सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गान्धिधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सूचित /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ) **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellants & Respondent :-**
M/s Max Precision Bearing P. Ltd., Junagadh-Veraval Highway 8-D Near Koyli Railway Crossing, Shapur - 362 205Dist : Junagadh

इस आदेश(अपील) से व्यभिक्त कोई व्यक्ति विभवविहित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील उपार कर सकता है।/
 Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलविषय, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं फिन्स अपीलविषय, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत विभवविहित जगह की जा सकती है।/
 Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) सर्वोच्च न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, ईस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. फोरम, नई दिल्ली, को की जाती चाहिए।/
 The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Forum, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बलाए गए अपील के अलावा वेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, , द्वितीय तल, बंधुवर्ती सबन अलावा अहमदाबाद- 380016 को की जाती चाहिए।/
 To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित फॉर्म एच ई-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की श्रेणियाँ द्वारा और अलावा सेवा शुल्क, 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो कमतः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉर्डिंग बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। भुगतान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धत-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
 The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(iv) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, फिन्स अपीलविषय, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ आदेश के विरुद्ध अपील की गयी है उसकी प्रति साथ में भुगतान कर (इसमें से एक प्रति प्रामाणिक होनी चाहिए) और इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की श्रेणियाँ द्वारा और अलावा सेवा शुल्क, 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो कमतः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉर्डिंग बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। भुगतान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धत-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
 The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs 500/-

(v) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, फिन्स अपीलविषय, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ आदेश के विरुद्ध अपील की गयी है उसकी प्रति साथ में भुगतान कर (इसमें से एक प्रति प्रामाणिक होनी चाहिए) और इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की श्रेणियाँ द्वारा और अलावा सेवा शुल्क, 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो कमतः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉर्डिंग बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। भुगतान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धत-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
 The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs 500/-

(vi) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, फिन्स अपीलविषय, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ आदेश के विरुद्ध अपील की गयी है उसकी प्रति साथ में भुगतान कर (इसमें से एक प्रति प्रामाणिक होनी चाहिए) और इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की श्रेणियाँ द्वारा और अलावा सेवा शुल्क, 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो कमतः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉर्डिंग बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। भुगतान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धत-पर के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
 The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs 500/-

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs 500/-

81

(i) **दिल अधिनियम, 1994 की धारा 85 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत दायें की गयी अपील, सेवाकर निव्यवहारी, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ अनुसूचक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अनुसूचक (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अध्याय सेवाकर, की प्रतियां संलग्न की जायें। (उपरोक्त में एक प्रति परामर्शित होनी चाहिए) और अनुसूचक द्वारा माहौल अनुसूचक अध्याय अनुसूचक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय सेवाकर, को अपील न्यायाधिकरण को आवेदन दायें करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 85 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.**

(ii) **सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सेक्टर) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35(क) के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपील न्यायाधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर भाग के 10 प्रतिशत (10%), जब मात्र एवं न्यूनतम विहित है, का जमा, जब केवल न्यूनतम विहित है, का भुगतान किया जाय, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपीलित टैक्स राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।**

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत जमा किए गए शुल्क में क्लिफ्ट शामिल है।
 - (ii) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
 - (iii) सेनटेड जमा की गई मात्र राशि
 - (iv) सेनटेड जमा निव्यवहारी के नियम 6 के अंतर्गत टैक्स रकम
- बशर्त कि इस धारा के प्राधान्य वित्तीय (नं. 2) अधिनियम 2014 के अध्याय से पूर्व किसी अपील न्यायाधिकरण के द्वारा विधायी स्तर पर उदाहरण अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
- (i) amount determined under Section 11 D;
 - (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
 - (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन : Revision application to Government of India:**
 इस आदेश की पुनरीक्षण अधिकारिता निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के अध्याय परन्तु के अंतर्गत अंग अंगित, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन (इकाई, किला संगठन, राज्य विभाग, राष्ट्रीय मजिस्ट्रेट, जेल टैक्स भवन, गलत गणना, नई दिल्ली-110001, को किया जाता चाहिए)।
 A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि गलत कि किसी मकान के मामले में, जहां भुगतान किसी गलत को किसी कारणों से भंडार गृह के परामर्श के दौरान या किसी अन्य कारणों या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह परामर्श के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण से गलत कि परामर्श के दौरान, किसी कारणों या किसी भंडार गृह से गलत कि भुगतान के मामले में।
 In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे गलत कि विदेशों में प्रचलन किये गए पर भी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो गलत कि बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of an excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को गलत कि निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty

(iv) इतिरिक्त उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ह्यूरी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्राधान्यों के तहत मान्य की गई है और उसे अंतर्गत जो अनुसूचक (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गई तरीका जमा समाविष्टि पर या बाद में प्रयुक्त किया गया है। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विहित है, इस आदेश के अंतर्गत के 3 महीने के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अद्यतनी के साथ के और पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule. 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अद्यतनी की जानी चाहिए। / जहां संलग्न (रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाय और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 / का भुगतान किया जाय। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि दल आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दल में किया जाता चाहिए। इस लक्ष्य के होने पर भी की सिखा नहीं करके से बदले के लिए सहायित्व अपील न्यायाधिकरण में एक प्रतिलिपि या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if existing Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) परामर्शित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसूची के अनुसार मूल आदेश एवं संलग्न आवेदन की प्रति पर निर्धारित 8.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट अंग होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 8.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act,1975, as amended

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सर्वे विधि) विधायनी, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान सम्मिलित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपील न्यायाधिकरण को अपील दायें करने में संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्राधान्यों के लिए, अपील न्यायाधिकरण वेबसाइट www.cbec.gov.in की देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Max Precision Bearings P. Ltd., Junagadh-Veraval Highway, 8-D, Near Koyli Railway Crossing, Shapur – 362 205, Dist : Junagadh (hereinafter referred to as '**the appellant**') has filed the present appeal against the Order-In-Original No. AC/JND/05/2016 dated 30.012.2016 (hereinafter referred to as '**the impugned order**'), passed by the Assistant Commissioner, Central Excise, Division, Junagadh (hereinafter referred to as "**the lower adjudicating authority**").

2. The brief facts of the case are that the appellant is registered with Central Excise and it was revealed that they had availed Cenvat credit of Rs. 1,81,818/- on repair and maintenance of wind mills, even when the windmills were situated outside the factory at a far distance place and the said windmills could not be used in relation to manufacture or clearance of final products whether directly, or indirectly.

2.1 Show Cause Notice F. No. VI/8(a)-113/EA-2000/AP-IV/14-15 dated 05.02.2016 covering period from June, 2012 to December, 2015 was issued by the Assistant Commissioner, Circle-V, Audit-III, Rajkot proposing recovery of Cenvat Credit of Rs. 1,81,818/- under Rule 14 of the Cenvat Credit Rules, 2004 (herein after referred to as "the CCR, 2004") read with Section 11A(5) of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act")

2.2 The said show cause notice was adjudicated by the lower adjudicating authority, who disallowed Cenvat Credit of Rs. 1,81,818/-, ordered to pay interest under Rule 14 of the CCR, 2004 read with Section 11AA of the Act and also imposed penalty of Rs. 90,910/- under Rule 15(2) of the CCR, 2004 read with Section 11AC of the Act on the appellant.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant preferred the present appeal mainly on the following grounds:

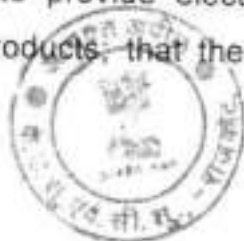
- (i) The demand of Cenvat credit confirmed under the impugned order by the lower adjudicating authority is not correct; that he failed to maintain judicial discipline by not following the binding decision of Hon'ble Larger Bench of CESTAT in the case of Parry Engg. & Electronics P. Ltd. reported as 2015



75

- (40) S.T.R. 243 (Tri. – LB); that the lower adjudicating authority has travelled beyond the scope of Show Cause Notice by unduly referring the provisions of capital goods.
- (ii) That lower adjudicating authority placed reliance on the judgments of Apex Court in the case of Maruti Suzuki Ltd reported as 2009(240) ELT 641(S.C.) and Gujarat Heavy Chemicals Ltd., reported as 2011 (22) S.T.R. 610 (Guj.), whereas these are no longer applicable now.
- (iii) That lower adjudicating authority placed few old judgments of CESTAT, Ahmedabad like Rajhans Metals P. Ltd., Atul Auto Limited, Ellora Times Ltd.,
- (iv) Amendment has been made in definition of "input service" w.e.f. 01.04.2011 which makes no difference as far as present issue is concerned, only change has been made in the definition and 'exclusion clause' is incorporated, which has nothing to do with the issue in question.
- (v) The SCN was issued on two grounds i.e. (1) windmill installed outside factory premises, service could not qualify as 'Input Service. (2) as electricity generated is not received at the appellant's factory and hence Cenvat credit is not admissible. These points have been directly answered by the Hon'ble Larger Bench of CESTAT reported as 2015 (40) S.T.R. 243 (Tri. LB) in favour of appellant.

4. Personal hearing in the matter was held wherein Shri Devashish K. Trivedi, Advocate reiterated grounds of appeal and submitted that the issue has also been decided now by Hon'ble Bombay High Court in Endurance Technology Pvt. Ltd and by Larger Bench of CESTAT in the case of Pary Engineering & Electronics & other; that these judgments though are for the period prior to 2011 amendment but applicable in this case also as this does not fall under exclusion clause of the Rule and SCN/ impugned order has not alleged any exclusion; that distance of 300Kms is not relevant as long as services are utilized for maintenance of windmills to provide electricity, which is issued in the manufacture of the final products, that the appeal should be allowed in



78

view of above fact & legal position.

FINDINGS

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and submission made during the personal hearing. The issue to be decided in the present case is as to whether the appellant was eligible for Cenvat credit of Service Tax paid by them on maintenance and repairs of windmills, or otherwise.

6. I find that the appellant has availed Cenvat credit on service tax paid on maintenance and repairs services utilized at the windmill. The windmill is situated at far place from the registered premises of the appellant. The contention of the Department is that the services being utilized at distance place, such Cenvat credit was not available to the appellant. At the same time, the appellant has pleaded that the definition of input service covers such services. The definition of input service as defined under Rule 2(l) of the CCR,2004 during the period is produced below for ready reference:

(l) "input service" means any service,-

(i) used by a provider of output service for providing an output service; or

(ii) used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to the manufacture of final products and clearance of final products upto the place of removal, and includes services used in relation to setting up, modernization, renovation or repairs of a factory, premises of provider of output service or an office relating to such factory or premises, advertisement or sales promotion, market research, storage upto the place of removal, procurement of inputs, accounting, auditing, financing, recruitment and quality control, coaching and training, computer networking, credit rating, share registry, security, business exhibition, legal services, inward transportation of inputs or capital goods and outward transportation upto the place of removal;

6.1 It is a fact that the generation of electricity is taking place at a windmill at a place away from the factory and the electricity so generated, is transferred to the electricity authorities, who in turn, supplies electricity at the manufacturing unit of the appellant as per agreed formulae which is utilized at factory for manufacture of the final products of the appellant. In view of these facts, Cenvat credit on service tax paid on repairs and maintenance service of wind mill is available as per rules stated above.

6.2 I find that the matter is no more *res integra* in view of the decisions of the Hon'ble High Court of Bombay in the case of Endurance



77

Technology Pvt. Ltd reported at 2017 (52) S.T.R. 361 (Bom) and Larger Bench in the case of Parry Engg. & Electronics P Ltd reported at 2015 (40) S.T.R. 243 (Tri.-LB). I also find that there is no restriction under Cenvat Credit Rules, 2004 that the services should be utilized within factory premises only.

6.3 I find that the lower adjudicating authority has relied upon the decision in the case of Maruti Suzuki Ltd. Vs CCE, Delhi-III as reported at 2009 (240) E.L.T. 641 (S.C.). On this, I find that the dispute in the Maruti case was relating to Cenvat credit on inputs used in generating electricity, whereas in the case on hand, dispute is relating to Cenvat credit on input services. Further, the part of electricity so generated was sold and wheeled out to joint ventures and vendors by Maruti. Whereas, in the instant case the wheeled energy is adjusted by PGVCL by giving set off in periodical bills of the appellant only. Also, the period covered in the above Maruti case is from January, 2003 to March, 2004, whereas in the present case, the period covered is from February, 2012 to December, 2015. The definition of input service was amended in the year 2008, 2011 and 2012. Therefore, the facts of the case on hand and that of Maruti Suzuki Ltd. are different and hence, the case law relied upon by the lower adjudicating authority is not justified at all.

6.4 The lower adjudicating authority has also relied upon the decision in the case of CCE Vs Gujarat Heavy Chemicals Ltd as reported as 2011 (22) S.T.R. 610 (Guj.). I find that in the case of Gujarat Heavy Chemicals Ltd, Hon'ble High Court disallowed Cenvat credit on security services provided at residential quarters of their workers which had no connection with manufacture of final products. Whereas, in the case on hand until and unless the windmill is maintained, they cannot produce the electricity and the electricity so generated from the said windmill has been used to manufacture the final product of the appellant. Thus, electricity received by the appellant has been used in manufacturing process and thus, there is direct nexus. Therefore, the case law relied upon by the lower adjudicating authority is not applicable in the instant case at all.

7. In light of the above discussion, I hold that the appellant is eligible to take Cenvat credit on repair and maintenance services on windmill even if situated at a distant place. Once Cenvat credit is held to be legally



tenable, levy of interest and imposition of penalty do not arise. Accordingly, I set aside the impugned order and allow the present appeal.

6.1. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

7.1 The appeal filed by the appellant is disposed of in above terms.

(Handwritten Signature)
11/12/2017
(कुमार संतोष)
आयुक्त (अपील्स)

By R.P.A.D.

To,

M/s. Max Precision Bearings P. Ltd., Junagadh-Veraval Highway, 8-D, Near Koyli Railway Crossing, Shapur – 362 205, Dist : Junagadh	मेसर्स मेक्स प्रिसिजन बेरिंग प्रा. लिमिटेड, जूनागढ़-वेरावल हाइवे, ए-डी, कोयली रेलवे क्रॉसिंग के पास, शापुर - 362 205, जिल्ला जूनागढ़
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, GST & Central Excise, Rajkot.
- 3) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise, Division – I, Rajkot.
- 4) Guard File.

